Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies,
Online ISSN 2278-8808, P-ISSN 2319-4766
SJIF 2016 = 6.17, www.srjis.com
UGC Approved Sr. No.49366, JAN-FEB 2018, VOL- 5/43
https://doi.org/10.21922/srjis.v5i43.11211

सरकारी एवं गैर—सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं की कम्प्यूटर अभिवृत्ति का अध्ययन

Ramdhan Nautiyal[1] & Deepti Uniyal[2], Ph. D.

[1]*Research Scholar, Ph.D (Education), Himgiri Zee University, Dehradun, Uttrakhand*

E.Mail: ramdhannautiyal@gmail.com

[2]*Assistant Professor, Himgiri Zee University, Dehradun, Utterakhand*

Abstract

प्रस्तुत शोध अध्ययन में सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र—छात्राओं की कम्प्यूटर अभिवृत्ति के संदर्भ में अध्ययन किया गया। शोध अध्ययन में ब्लॉक नौगांव, उत्तरकाशी (उत्तराखण्ड) के सरकारी एवं गैर—सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् ११वीं एवं १२वीं कक्षा के २०० विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में लिया गया जिसमें सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों के ५०—५० छात्र एवं ५०—५० छात्राओं को यादृच्छिक विधि द्वारा चयन किया गया। शोधकार्य में आंकड़ों के संकलन हेतु डॉ० ताहिरा खातून एवं मनिका शर्मा द्वारा निर्मित एवं मानकीकृत कम्प्यूटर अभिवृत्ति मापनी का प्रयोग किया गया एवं आंकड़ों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन एवं टी—परीक्षण का प्रयोग किया गया। इस अध्ययन में पाया गया कि सरकारी एवं गैर—सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं की कम्प्यूटर अभिवृत्ति के मध्य कोई सार्थक अन्तर नही है।

Scholarly Research Journal's* is licensed Based on a work at *www.srjis.com

प्रस्तावना(Introduction)

शिक्षा एवं समाज को गढ़ने में कम्प्यूटर और कम्प्यूटिंग टैक्नोलॉजी का प्रभाव महत्वपूर्ण है। वर्तमान शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य है कि मनुष्य जाति की बेहतरी के लिए प्रौद्योगिकी का प्रभावी इस्तेमाल करना। इसीलिए इस बात को समझा जा रहा है कि ज्ञान के इन क्षेत्रों को स्कूली पाठ्यचर्या में जगह मिलनी चाहिए.ड्रेमब्रोट एवं अन्य (१९८५), हार्वे एवं विल्सन (१९८५), फफ—शॉ एवं अन्य (१९८६), कोलिन्स एवं ओलिला (१९८६), कोलिस एवं विलयम्स (१९८७) ने अपने शोध अध्ययन में महिलाओं की तुलना में पुरूषों का कम्प्यूटर के पक्ष में झुकाव अधिक पाया। इसका सबसे महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण पुरूषों और महिलाओं के अंतर सामाजीकरण पर केंद्रित है जिसके परिणाम स्वरूप स्टीरियोटाइप सेक्स भूमिकाऐं महत्वपूर्ण होती हैं। फेटलर (१९८५) ने अपने शोध अध्ययन में कैलिफोर्निया में ७वीं और १२वीं कक्षा के विद्यार्थियों पर एक अध्ययन किया और पाया कि दोनों ग्रेड में लड़कों ने लड़कियों की तुलना में कम्प्यूटर के प्रति अधिक सकारात्मक दृष्टिकोंण और बेहतर प्रदर्शन किया। गुप्ता एवं अन्य (१९९१) ने अपने शोध अध्ययन

में कक्षा–६ से कक्षा–९ तक पढ़ाई करने वाले लड़कों और लड़कियों का कम्प्यूटर शिक्षा के प्रति दृष्टिकोंण का तुलनात्मक अध्ययन किया और पाया कि सभी ग्रेड में लड़कों की तुलना में लड़कियों का कम्प्यूटर शिक्षा के प्रति दृष्टिकोंण एवं रूचि अधिक पायी गयी।निर्मला सुंदरराज (२००५), ने तमिलनाडु मुक्त विश्वविद्यालय के बी०एड० प्रशिक्षुओं की कम्प्यूटर शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण पर शोध अध्ययन किया। शोध निष्कर्ष में उन्होने पाया कि कम्प्यूटर शिक्षा के प्रति पुरूष एवं महिला बी०एड० प्रशिक्षुओं में सार्थक अन्तर पाया गया।वेदिल एवं खटकर (२०१६) ने सरकारी और निजी स्कूल के माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के कम्प्यूटर के प्रति अभिवृत्ति के संदर्भ में शोध अध्ययन किया। अध्ययन हेतु न्यादर्श रोहतक जनपद के विभिन्न स्कूलों से १०० छात्रों (५० पुरूष एवं ५० महिला) को लिया गया। ताहिरा खातून एवं मनिका शर्मा द्वारा निर्मित कम्प्यूटर अभिवृत्ति मापनी का प्रयोग आंकड़ों को इकठ्ठा करने के लिए किया गया। लिंग के आधार पर पुरूष और महिला छात्रों का कम्प्यूटर के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नही पाया गया। सरकारी और निजी स्कूल के पुरूष एवं महिलाओं का कम्प्यूटर के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नही पाया गया।

हॉलांकि कई देशों ने कम्प्यूटर विज्ञान या सूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यचर्या अपने स्कूलों में लागू किये हैं, लेकिन हमें उन चुनौतियों का ध्यान रखना होगा जो भारतीय विद्यालयों के सामने हैं। यह चुनौती कम्प्यूटर विज्ञान के लिए तकनीकी साधनों की कमी की है। तकनीकी अभाव एवं कुशल तकनीकी प्रशिक्षितों के कारण विद्यालयों में छात्रों में तकनीकी अभिवृत्ति विकसित कर पाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। २१ वीं सदी के इस डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने के लिए छात्रों में प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर से ही कम्प्यूटर अभिवृत्ति का विकास करना अत्यन्त आवश्यक है। इसके लिए व्यावहारिक विकल्प ढूंढने होंगे जो भारतीय ग्रामीण विद्यालयों के लिए उपयोगी हों। वैश्विक युग में बालक को सैद्वान्तिक ज्ञान के साथ–साथ कम्प्यूटर, वैज्ञानिक, व्यावसायिक एवं व्यावहारिक शिक्षा की नितांत आवश्यकता है। इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए कम्प्यूटर आधारित शिक्षा का समावेश माध्यमिक शिक्षा के पाठ्यक्रम में अपेक्षित है।

उद्देश्य (Objective)

शोध कार्य को स्पष्ट एवं निश्चित दिशा प्रदान करने हेतु उद्देश्य निर्धारित किये जाते हैं। प्रस्तुत शोधकार्य में निम्न उद्देश्य निर्धारित किये गये हैं–

१. सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं कीकम्प्यूटर अभिवृत्ति का अध्ययन करना।

२. गैर सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं की कम्प्यूटर अभिवृत्ति का अध्ययन करना।

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

३. सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं की कम्प्यूटर अभिवृत्ति का अध्ययन करना।

परिकल्पनायें (Hypothesis)

उद्देश्यों के आधार पर वर्तमान शोध में शोधकर्ता द्वारा निम्न शून्य परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया है —

१. सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं की कम्प्यूटर अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नही है।

२. गैर सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं की कम्प्यूटर अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नही है।

३. सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं की कम्प्यूटर अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नही है।

विधि (Method)

शोध अध्ययन में शोधकर्ता द्वारा ब्लॉक नौगांव के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र—छात्राओं के आंकड़ों के संग्रहण के लिए वर्तमान शोध कार्य हेतु वर्णनात्मक विधि का प्रयोग किया गया। आंकड़ों के विष्लेशण के लिए मध्यमान, मानक विचलन एवं टी—परीक्षण का प्रयोग किया गया।

न्यादर्श (Sample)

प्रस्तुत शोध अध्ययन मेंउत्तरकाशी जनपद के नौगांव ब्लॉक के सरकारीएवं गैर—सरकारी माध्यमिक विद्यालय से ११वीं एवं १२वीं स्तर के २०० विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा न्यादर्श के रूप में लिया गया। न्यादर्श के रूप में सरकारी माध्यमिक विद्यालय के १०० छात्रों में ५० छात्र एवं ५० छात्राओं को लिया गया तथा गैर—सरकारी माध्यमिक विद्यालय के १०० छात्रों में ५० छात्र एवं ५०छात्राओं को लिया गया जिसका वर्णन निम्न न्यादर्श तालिका में किया गया है।

न्यादर्श तालिका(Sample Table)

ब्लॉक	विद्यालय	छात्र	छात्राऐं	कुल योग	सम्पूर्ण योग
नौगाँव	सरकारी माध्यमिक विद्यालय	५०	५०	१००	
(जिला—उत्तरकाशी)	गैर—सरकारीमाध्यमिक विद्यालय	५०	५०	१००	२००

शोध उपकरण(Tool)

शोधकर्ताद्वारा शोध अध्ययन में आंकड़ों के संकलन हेतु ताहिरा खातून एवं मनिका शर्मा द्वारा निर्मित मानकीकृत कम्प्यूटर अभिवृत्ति मापनी को शोध उपकरण के रूप में प्रयोग किया गया।

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

आंकड़ों का विश्लेषण(Analysis of Data)

सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत्छात्र—छात्राओं का कम्प्यूटर अभिवृत्ति स्तर निम्न प्रकार पाया गया।

१. ब्लॉक नौगांव, उत्तरकाशी के गैर—सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा ११वीं एवं १२वीं स्तर के छात्र—छात्राओं का कम्प्यूटर अभिवृत्ति स्तर निम्नवत है।

क्र०स०	कम्प्यूटर अभिवृत्ति स्तर	आवृत्ति	प्रतिशत
1.	Above average	26	26
2.	Average	45	45
3.	Below average	16	16
4.	Ext.High	1	1
5.	Ext.Low	5	5
6.	High	5	5
7.	Low	2	2
	Total	100	100

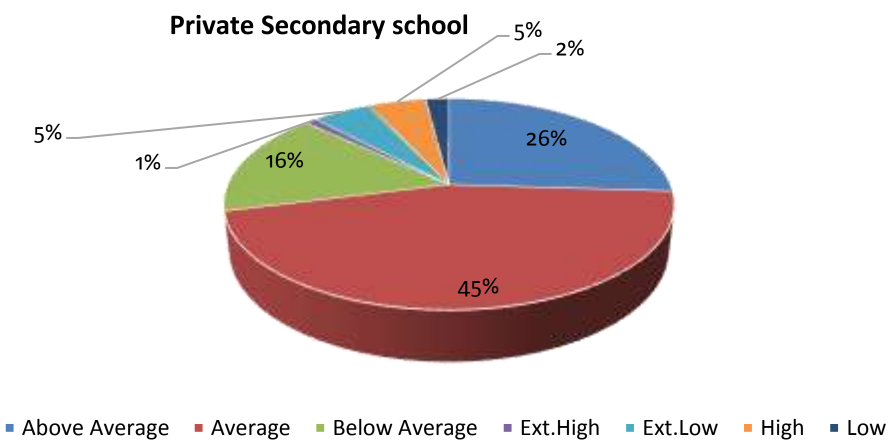

२. ब्लॉक नौगांव, उत्तरकाशी के सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा ११वीं एवं १२वीं स्तर के छात्र—छात्राओं का कम्प्यूटर अभिवृत्ति स्तर निम्नवत है।

क्र०स०	कम्प्यूटर अभिवृत्ति स्तर	आवृत्ति	प्रतिशत
1.	Above average	14	14
2.	Average	47	47
3.	Below average	26	26
4.	Ext.High	0	0
5.	Ext.Low	3	3
6.	High	1	1
7.	Low	9	9
	Total	100	100

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

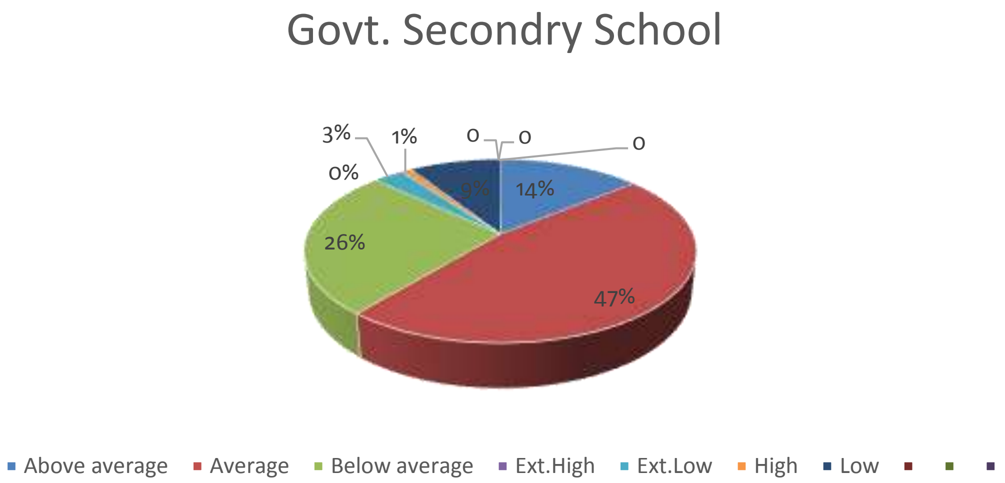

अत: उद्देश्यों के आधार पर निर्मित शून्य परिकल्पनाओं का विष्लेषण निम्नवत् है —

१. सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं की कम्प्यूटर अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नही है।

उद्देश्य—१ के लिए निर्मित परिकल्पना के लिए आंकड़ों का विष्लेषण एवं परिणाम निम्न तालिका संख्या—१.१ में प्रदर्शित है—

तालिका संख्या—१.१ सरकारी विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं के कम्प्यूटर अभिवृत्ति प्राप्तांकों का मध्यमान, मानक विचलन एवं टी—मान

School	Students	N	M	SD	‘t’ Value	Remark
Govt	Female	50	72.74	6.96	0.59	NS*
	Male	50	73.6	7.69		

उपरोक्त तालिका संख्या—१.१ से स्पष्ट है कि सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं की कम्प्यूटर अभिवृत्ति का टी—मान ०.५९ प्राप्त हुआ जो कि सारणीयन मान .०५ सार्थकता स्तर पर १.९८ तथा .०१ सार्थकता स्तर पर २.६३ से कम है। अत: दोनो ही सार्थकता स्तर पर परिकल्पना—१ सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं की कम्प्यूटर अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नही है, स्वीकृत की जाती है। आंकड़ों के मध्य अन्तर को ग्राफ के माध्यम से निम्न रूप से तालिका संख्या—१.१ में भी प्रस्तुत किया गया।

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

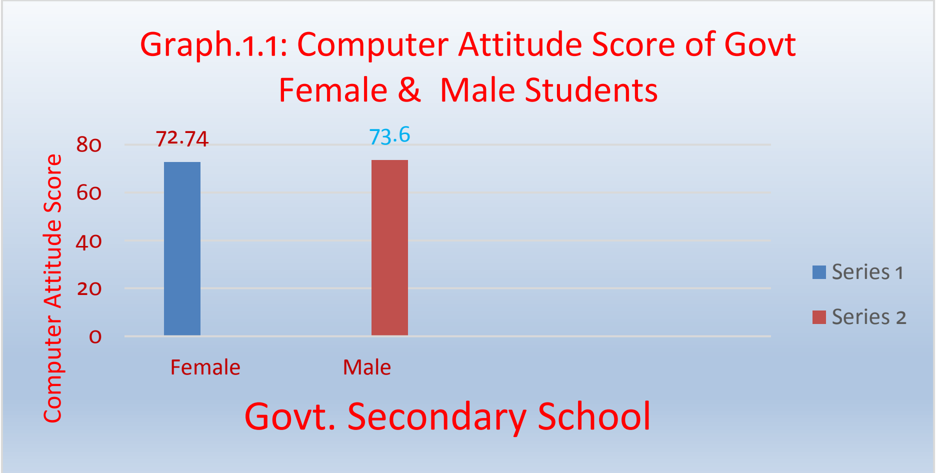

२. गैर सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं की कम्प्यूटर अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नही है।

उद्देश्य—२ के लिए निर्मित परिकल्पना के लिए आंकड़ों का विश्लेषण एवं परिणाम निम्न तालिका संख्या—१.२ में प्रदर्शित है—

तालिका संख्या—१.२ गैर सरकारी विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं के कम्प्यूटर अभिवृत्ति प्राप्ताकों का मध्यमान, मानक विचलन एवं टी—मान

School	Students	N	M	SD	't' Value	Remark
Private	Female	50	77.56	9.32	0.38	NS*
	Male	50	78.2	7.37		

उपरोक्त तालिका संख्या—१.२ से स्पष्ट है कि गैर—सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं की कम्प्यूटर अभिवृत्ति का टी—मान ०.३८ प्राप्त हुआ जो कि सारणीयन मान .०५ सार्थकता स्तर पर १.९८ तथा .०१ सार्थकता स्तर पर २.६३ से कम है। अत: दोनो ही सार्थकता स्तर पर परिकल्पना—२गैर—सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं की कम्प्यूटर अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नही है, स्वीकृत की जाती है। आंकड़ों के मध्य अन्तर को ग्राफ के माध्यम से निम्न रूप से तालिका संख्या—१.२ में भी प्रस्तुत किया गया।

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

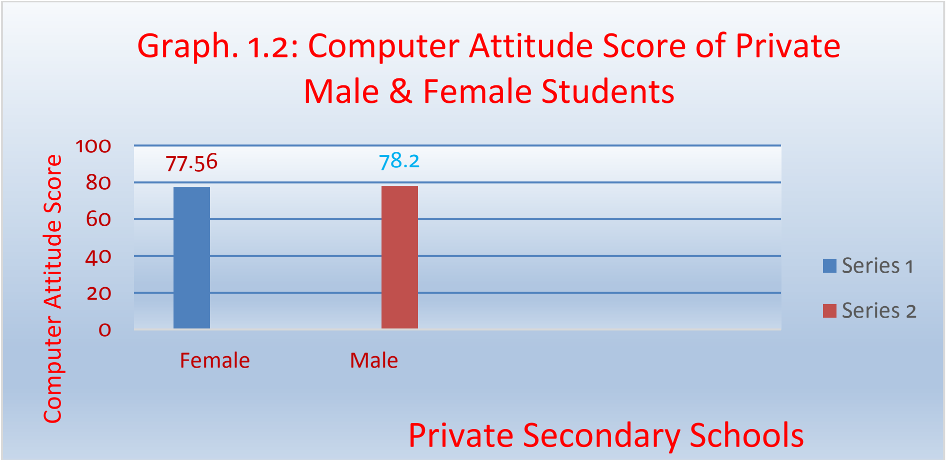

३. सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं की कम्प्यूटर अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नही है।

उद्देश्य—३ के लिए निर्मित परिकल्पना के लिए आंकड़ों का विश्लेषण एवं परिणाम निम्न तालिका संख्या—१.३ में प्रदर्शित है—

तालिका संख्या—१.३सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं के कम्प्यूटर अभिवृत्ति प्राप्तांकों का मध्यमान, मानक विचलन एवं टी—मान

School	Students	N	M	SD	't' Value	Remark
Govt & Private	Female	100	75.15	8.57	0.56	NS*
	Male	100	75.9	7.88		

उपरोक्त तालिका संख्या—१.३ से स्पष्ट है कि सरकारी एवं गैर—सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं की कम्प्यूटर अभिवृत्ति का टी—मान ०.५६ प्राप्त हुआ जो कि सारणीयन मान .०५ सार्थकता स्तर पर १.९७ तथा .०१ सार्थकता स्तर पर २.६० से कम है। अतः दोनो ही सार्थकता स्तर पर परिकल्पना—३ सरकारी एवं गैर—सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं की कम्प्यूटर अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नही है, स्वीकृत की जाती है।सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं ने (मध्यमान—७५.९०) गैर—सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्रों की अपेक्षा (मध्यमान—७५.१५) कम कम्प्यूटर अभिवृत्ति प्राप्तांक प्राप्त किये। आंकड़ों के मध्य अन्तर को ग्राफ के माध्यम से निम्न रूप से तालिका संख्या—१.३ में भी प्रस्तुत किया गया।

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

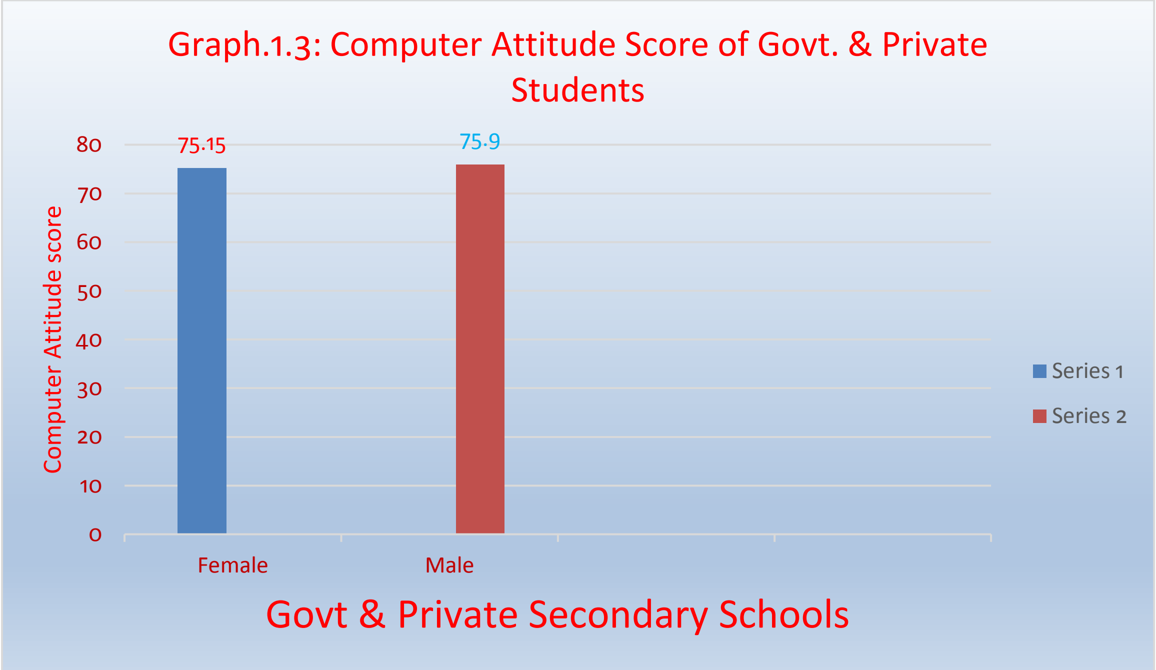

निष्कर्ष(Conclusion)

शोध अध्ययन में निष्कर्ष रूप में शोधकर्ता द्वारा पाया गया कि सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत् माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के कम्प्यूटर अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नही है। इसी प्रकार गैर—सरकारी स्कूलों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं के कम्प्यूटर अभिवृत्ति स्तर में भी कोई सार्थक अन्तर नही पाया गया। अतः परिकल्पना—१ एवं परिकल्पना—२ स्वीकृत की जाती है। सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों के कम्प्यूटर अभिवृत्ति प्राप्तांक (मध्यमान—७५.९) सरकारी एवं गैर—सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं के कम्प्यूटर अभिवृत्ति प्राप्तांक (मध्यमान—७५.१५) के मध्य टी—मान ०.५६ प्राप्त हुआ जो कि .०५ सार्थकता स्तर पर १.९७ एवं .०१ सार्थकता स्तर पर २.६० से कम है अतः परिकल्पना—३ सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं की कम्प्यूटर अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नही है, दोनों ही सार्थकता स्तर पर स्वीकृत की जाती है।

संदर्भ (References)

Indrani das (2003). Computer education in the secondary schools of Assam, a thesis submitted to the university of Gauhati for the degree of doctor of philosophy in the faculty of arts : department of education, Gauhati University

Fetler, M (1985). *"Sex differences on the Californi. state-wide assessment of compute literacy" , Journal of Educations Technology, Vol. XII, No. 13, pp. 19-21.*

Gupta, K. A. and Baliya, J. N.(1991). *"Components of Computer Education" , Journal - The Primary Teacher, Vol. 16, No. 1, pp. 20-22. January,*

The present investigation proposed to study status of ICT utilization in secondary schools: practical challenges and future recommendations (a case of north coastal districts in Andhra Pradesh).

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा—२००५, पृ. ५२—५३

Parik,K., Meena.(2015). Soochna va sanchar prodhogiki se shiksha ka badalata swarup. Anweshika: adhyapak shiksha ki shodh patrika, vol-10,40-46

Sindhu,I.S, Vikal,J.K.(2009).Soochna prodhogiki adharik shiksha ka pragatishil swarup.bhartiya adhunik shiksha , vol-IV,68-80.

Kiran Bedi1, Kusum Khatkar2 (2016). A Study of Computer Attitude among Secondary School Students of Government and Private Schools, International Journal of Enhanced Research in Educational Development (IJERED) ISSN: 2320-8708, Vol. 4 Issue 6, November-December, 2016.

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies